

हृदय और धड़कन



कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848	डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130	डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205	डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266	डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664	डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. कश्यप शेट	+91-99246 12288	डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980		

कार्डियाक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. किशोर गुप्ता	+91-99142 81008

पिडियाट्रिक और स्ट्रक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
--------------	-----------------

कार्डियोवास्कुलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
----------------	-----------------

कार्डियाक एनेस्थेसिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चितन शेट	+91-91732 04454

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. हिरेन केवडीया	+91-98254 65205

निओनेटोलोजिस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सिवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
------------------	-----------------



मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स)

जैसे ये विश्व विशाल में से छोटा बनता जा रहा है वैसे ही कार्डियाक सर्जरी भी मेक्सिमली इन्वेसिव में से मीनीमली इन्वेसिव बनती जा रही है। अगर हम कार्डियाक सर्जरी का इतिहास देखें तो पता चलता है की वो सिर्फ १०० साल ही पुराना है।

दृष्टांत के तौर पर देखें तो,

- पहला सफल हार्ट ऑपरेशन : रेहन , १८९६, हार्ट के घाव पे प्रथम बार टाँके लगाए गए
- १९३८ में ग्रॉस द्वारा प्रथम पीडीए क्लोजर
- १९४८ में ग्रॉस द्वारा प्रथम एएसडी क्लोजर
- १९५३ में हार्ट लंग मशीन का प्रथम बार उपयोग किया गया
- १९६३ में प्रथम सफल बायपास सर्जरी
- १९९८ में कार्पेन्टियर द्वारा प्रथम रोबोटिक सर्जरी

हार्ट एक लगातार गतिशील एवं क्रियाशील अंग है और उसके साथ ही शरीर के लिए एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण अंग है। कार्डियाक सर्जरी के दौरान सावधानी बरतना



Long incision
लंबा चीरा



4 inch cut
४ इंच का चीरा

बहुत जरूरी है। जिसकी वजह से अभी तक एंडोस्कोपिक या थोराकोस्कोपिक कार्डियाक सर्जरी में बेपरवाही के लिए स्थान नहीं है। ५ साल से मीनीमली इन्वेसिव कार्डियाक सर्जरी का विकास हुआ है जिसमें आशापूर्ण परिणाम मिले हैं।

ज्यादा से ज्यादा कार्डियाक सर्जरी इस मिक्स प्रक्रिया द्वारा की जा रही है। मिक्स प्रक्रिया सिखने में लम्बा समय लग जाने के कारण एवं तकनीकी रूप से जटिल होने के कारण विश्व भर में इतनी मान्यता मिली नहीं है। भारत में भी १-२ साल से ही यह पद्धति को गति मिली है और धीरे धीरे वह कार्डियाक सर्जरी क्षेत्र का हिस्सा बन रही है।

हार्ट सर्जरी का परंपरागत अभिगम

स्टैण्डर्ड मिडलाइन स्टर्नोटॉमी इनसिशन (चीरा) के जिसमें छाती की हड्डी को गरदन से ऊपर के पेट की तरफ पूर्ण रूप से चीरा जाता है ५ सामान्यतः ८ से १० इंच का लम्बा मिडलाइन चीरा किया जाता है।

परंपरागत अभिगम के फायदे

- हार्ट सर्जन द्वारा की जाती प्रक्रिया हे इसलिए परिस्थिति सर्जन के नियंत्रण अधीन रहती है
- सर्जन समस्त जटिल एवं जोखिमी प्रक्रिया कर सकते हैं

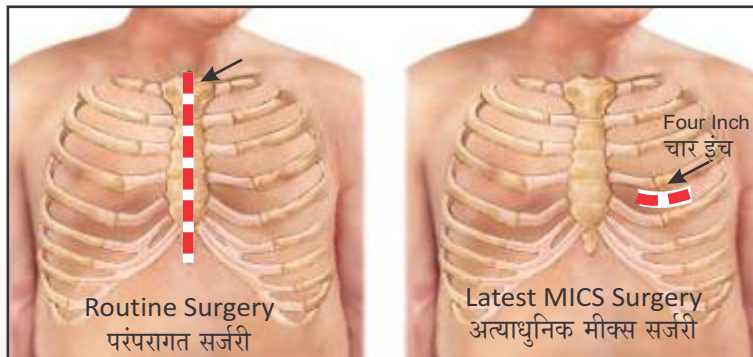
- सर्जन ओपरेशन टेबल पर आ सकती कोई भी समस्या को सुलझानेमें सक्षम होते है
- भूतकालमे सर्जननी तालिम यह अभिगम से होने से सर्जन सर्जरी दौरान स्वस्थ और द्रढ होते है

परंपरागत अभिगम के नुक्सान

- पुसली के फ्रेक्चर के कारण पीड़ा एवं वर्टिबो कोस्टल दबाव की वजह से पीठमे दर्द
- घावमे मुश्किल आना और छाती की हड्डीमें सक्रमण होने का ऊँचा दर
- छातीकी हड्डीको काटना फ्रेक्चर गिना जाता है जिसकी वजह से सम्पूर्ण रिकवरी के लिए ३ माह का आराम देना जरुरी होता है जिसकी वजह से ओपन हार्ट सर्जरीके तमाम नियंत्रण लागू किये जाते है
- धीमी रिकवरी और हलन चलन में विलम्ब होने की वजह से आईसीयू एवं हॉस्पिटल में लम्बे समय तक रुकना हो सकता है
- युवा दर्दीओमें कॉस्मेटिक के लगाती समस्याएँ
- बड़े दाग जैसे की केलोइड्स , वायर साइनस एवं न्यूरोलॉजिकल पीड़ा वगैरह

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) के पीछे का उद्देश्य

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) के पीछे का उद्देश्य कार्डियाक ऑपरेशन की परंपरागत पद्धति से जुडी हुई उदासी को कम करना है। उदासी कम करने से हमारा मतलब है ऑपरेशन की वजह से दर्दीको कम असर हो।



मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी (मीक्स) की व्याख्या

मीनीमली इनवेसिव कार्डियाक सर्जरी का मतलब छाती की हड्डी को काटने के बाद अथवा छोटे चीरे के द्वारा छाती की हड्डी को अंशतः काटके की जाती कार्डियाक सर्जरी।

सर्जरी के प्रभाव को कम करने के कुछ उपाय हे जैसे की

१. एक रास्ता हे की छाती की हड्डी को काटना टाले। ऐसा करने से दर्दी काम पर या सामान्य कार्य जल्द ही शुरू कर सकते है। दर्द कम होता है और छातीकी हड्डी में संक्रमण की शक्यता कम हो जाती है। ज्यादा तर वाल्वुलर ऑपरेशनमें और कुछ कोरोनरी बायपास ऑपरेशन में स्टर्नोटॉमी को टाला जा सकता है।

इसमें छातीकी हड्डी को नहीं काटने से हड्डीओं के बदले कोमल टिशुओं को रूजाना होता है जिसकी वजह से दर्द कम होता है एवं ऑपरेशन के बाद की रिकवरी जल्दी होती है।

२. कार्डियाक सर्जरी के प्रभाव को कम करने का एक रास्ता हे हार्ट लंग मशीन यानि की कार्डियोपल्मोनरी मशीन का उपयोग टाला जाये। हार्ट लंग मशीन के साथ कुछ समस्याएँ जैसे की स्ट्रोक, यादशक्तिकम होना, किडनी फ़ैल होना, लंग फैल्योर एवं रक्तस्राव जुड़े हुए है। फिर भी हार्ट लंग मशीन वाल्व रिप्लेसमेंट, एएसडी क्लोज़र या जन्म से हार्ट रोग जैसे कई हार्ट ऑपरेशन में आवश्यक है फिर भी सब से सामान्य कार्डियाक ऑपरेशन - कोरोनरी आर्टरी बायपास ऑपरेशन जैसे अन्य ओपरेशनमे इसका उपयोग टाला जा सकता है।

ऑफ पम्प कोरोनरी रिवास्कुलराइज़ेशन

विथ एंडोस्कोपिक वेसल हार्वेस्टिंग

- बीटिंग हार्ट सीएबीजी + एंडोस्कोपिक वेडन हार्वेस्ट या रेडियल आर्टरी हार्वेस्टिंग
- सीएबीजी से सम्बंधित तनाव को कम करता सर्व-भूत अभिगम
- सर्जिकल रिवास्कुलराइज़ेशन के लिए कम चीरा लगाने का विकल्प

नॉन-स्टर्नोटॉमी अभिगम

यह अभिगममें पूरी लंबाई की मिडलाइन स्टर्नोटॉमी को टाला जाता है। इसके बदले पुसलीओ के बिच में (थोरेक्टमी अभिगम) का उपयोग किया जाता है जिसमे कोई भी हड्डीको काटा नहीं जाता है या सामान्य ३-४ इंच के चीरे के साथ अंशतः स्टर्नोटॉमी की जाती है।

मीक्स अभिगम के उपयोग से की जाती प्रक्रिया

१. राइट थोरेक्टमी के द्वारा आर्टीयल सेप्टल डिफेक्ट क्लोज़र (हृदय में जन्म से छेद को बंध करना)
२. राइट थोरेक्टमी द्वारा माइट्रल वाल्व रिपेयर या रिप्लेसमेंट (वाल रोग)
३. अंशतः अपर स्टर्नोटॉमी या स्मॉल राइट थोरोकटोमी द्वारा एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट
४. बाएं इंटरनल मेमरी आर्टरी एवं रेडियल आर्टरी का उपयोग कर के बायीं तरफ ४ - ५ पंसलीओ के बिच से सिंगल या डबल वेसल बीटिंग हार्ट सीएबीजी

यह सर्जरी के लिए परिवर्तन

मीक्स प्रक्रियामें ओपन हार्ट सर्जरी प्रक्रियामें परंपरागत सीधी ऊपरी एओर्टा एवं दांयी एट्रियम की केन्युलेशन के बदले कार्डियोपल्मोनरी बायपास अलग अलग रस्ते से

प्रस्थापित किया जाता है। इसमें एसवीसी गले में पंक्चर कर के केन्यूलेट किया जाता है एवं आईवीसी एओर्टा फेमरल के रस्ते से केन्यूलेट किया जाता है। यह तकनीक में विशेष साधन और केन्युलस तथा ट्रांस एसोफेगल इकोकार्डियोग्राम की ऑपरेशन रूम में जरूर होती है और विशेष तालिम की जरूर होती है। सब केन्युल्स ऑपरेटिव एरिया की बहार होने से सर्जरी के लिए मात्र वर्किंग स्पेस की जरूर होती है और ये विशेष लम्बे साधन के द्वारा ३ - ४ इंच का चीरा लगा के किया जा सकता है।

मीक्स अभिगम के फायदे

- कम से कम चीर - फाड़ की प्रक्रिया जिसकी वजह से दर्द कम होता है
- आईसीयू एवं हॉस्पिटल में कम ठहरना
- ज्यादा जोखिम वाले दर्दी जिनके फेफड़े खराब हो गए हो या स्ट्रोक आया हो उनके लिए उपयोगी
- स्ट्रोक के दर्दी को जल्दी हलनचलन के लिए विशेषरूप से महत्वपूर्ण
- जल्दी रिकवरी की वजह से दैनिक दिनचर्या में जल्दी जुड़ सकते हैं। जिसकी वजह से इलेक्ट्रिशियन, सुथार, ड्राइवर १ महीने के अंदर ही काम पर जा सकते हैं।
- अच्छा कार्डियाक रिहैबिलिटेशन
- सुंदरता को कोई क्षति नहीं पहुँचती है - महिलाओं को स्तन एवं थाई फोल्ड पे घाव के निशान आते हैं जो दीखते नहीं हैं। युवा महिलाएँ पुरे विश्वास के साथ यह सर्जरी करवा सकते हैं और कोई भी प्रकार की मनोग्रंथि के बिना फैशनेबल वस्त्र पहन सकते हैं।

मीक्स प्रक्रिया के लिए मरीजों की पसंदगी के मापदंड

- तमाम निर्देशित मरीज
- युवा वय पहली पसंदगी
- सामान्य पेरिफेरल वास्कुलर सिस्टम
- सम्बंधित को-पैथोलॉजी की अनुपस्थिति और पहले किया गया ऑपरेशन
- योग्य मूल्यांकन होना बहुत जरूरी है जिससे ऑपरेशन टेबल पे कोई अकथ्य घटना होते टाला जाए
- दर्दी की इच्छा

क्या मीक्स प्रक्रिया सबके लिए संभव है ?

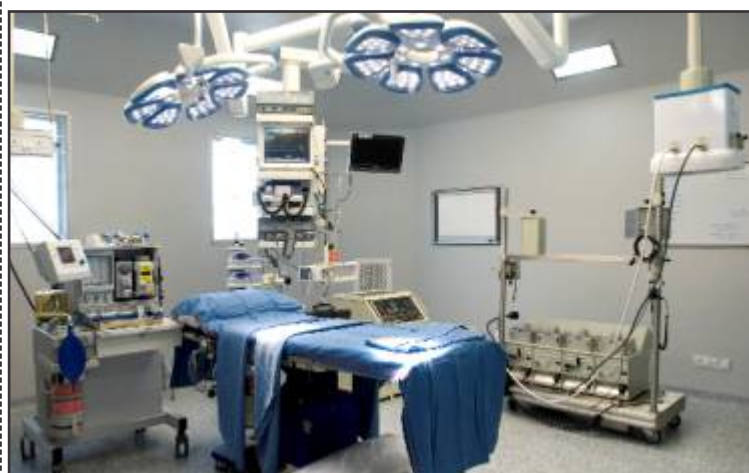
मीक्स निम्नलिखित मरीजों के लिए संभव नहीं है जैसे की

- मल्टिपल पैथोलॉजी हो
- पेरिफेरल वास्कुलर रोग
- सम्बंधित प्राकृतिक लक्षण

- दांयी और ग्राफ्टिंग मुश्किल होने से सीएबीजी के केस में मल्टिवेसल रोग
- बहोत ही स्थूल दर्दी पर थोरेक्टमी करना मुश्किल होता है

सिम्स हॉस्पिटल में हमारा अनुभव

- अहमदाबाद एवं पश्चिम भारत में सम्पूर्ण सुसज्जित मीक्स प्रोग्राम शुरू करने वाला प्रथम अधिकृत सेंटर
- अभी तक २००० से ज्यादा सफल केस
- भारत में प्रथम हायब्रीड बायपास
- मीक्स पद्धति से ऑपरेट किये गए मरीजों में अन्य सेंटर्स की तुलना में उच्च गुणवत्ता वाला परिणाम



निष्कर्ष

अंत में इतना ही की, सर्जनों के पास यह नई तकनीक आई है और उसका फायदा मरीजों को जरूर है। यह ऐसी तकनीक है जिसमें हार्ट सर्जरी में पसंदगी के मरीजों को पीड़ा एवं रिकवरी समय में नोंधपात्र कमी होती है। मीक्स प्रक्रिया कार्डियाक मरीजों के लिए सच में वरदानरूप है जो युवा मरीजों में तनाव कम कर परिणामों को सुधरता है। जरूर से यह विकल्प सब मरीजों के लिए नहीं है पर पसंदीदा दर्दीओं के लिए यह अच्छा विकल्प है। पुरानी सर्जरी के साथ नया अभिगम है और नया ऑपरेशन है जिससे हज़ारों मरीजों को ठीक करने की सक्षमता रही हुई है। यह प्रवाह जारी रहेगा और पुरानी समस्याओं को नई तकनीकों के साथ समाधान लाया जा सकेगा।

कोरोनरी आर्टरी डीजीज क्या है ?

यह रोग में हृदय की मांसपेशियों को रक्त और ओक्सीजन पहुंचाती धमनिया (कोरोनरी आर्टरी) संकुचित हो जाने के कारण मांसपेशियों को पर्याप्त रक्त प्राप्त नहीं हो पाता

सीने में दर्द,
हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर
और हार्ट रिदम प्रॉब्लम
जैसी समस्याएं

यह हृदय रोग का
सबसे सामान्य प्रकार है

इस रोग के कारण,
हर साल ३.७० लाख
से ज्यादा लोगों की
मृत्यु होती है।

इस रोग के लक्षणों के बारे जाने



साँस लेने में दिक्कत

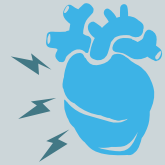
थकान लगना



सीने में दर्द होना



जी मिचलाना
या उल्टी होना



हार्ट अटैक

म्यूकोरमाईकोसीस क्या है ?

सावधान रहे. जागृत रहे.

म्यूकोरमाईकोसीस एक प्रकार का फंगल संक्रमण है
जो वर्तमान में भारत में कोविड-19 रोगियों में पाया जा रहा है।

सिम्स म्यूकोर क्लिनिक

मल्टी-डिसिप्लिनरी विशेषज्ञों की टीम से इलाज

म्यूकोरमाईकोसीस को “ब्लैक फंगस” भी कहा जाता है।

यह आम तौर पर साइनस, नाक के म्यूकोसा, मौखिक श्लेष्मा,
ऊपरी जबड़े, आंखों और फेफड़ों को प्रभावित करता है।

सिम्स कार्डियाक सायन्स

कोविड-19 दौरान सभी तनाव में है,
परंतु, यह लक्षण को अनदेखा ना करे।

जल्द ही सार्वार ले

नीचे दिये गये मे से कोई भी लक्षण देखने मिले
तो तत्कालिन नज़दीक की अस्पतालमें पहुंचे।

हार्ट अटैक के लक्षण

- सीने में दर्द या दबाव
- सीने में जकड़न, जलन या भारीपन
- साँस लेने में तकलीफ
- पसीना आना
- उबकाई और उल्टी होना



24 X 7 MEDICAL HELPLINE +91-70 69 00 00 00



कोविड-19 के मरीज़ों के लिए

फिजियोथेरेपी बहुत महत्वपूर्ण है।

आज ही बुक करे : ऑनलाईन फिजियोथेरेपी सेशन (30 मिनट)
जो हमारे फिजियोथेरेपी विशेषज्ञों की टीम से दिया जायेगा।

फोन करे : +91 99743 29920

अगर आपको डॉक्टर कन्सल्टेशन की आवश्यकता है,
कृपया देर न करें ।

CIMS CALLED[®] C

टेली कन्सल्टेशन

आज ही एपॉइन्टमेंट बुक करे

फोन से +91 70690 49567 - सुबह 9:30 से शाम 6.00, सोम से शनि
या इ-एपॉइन्टमेंट से (www.cims.org)

हम आपसे शीघ्र ही संपर्क करेंगे

अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें

सिम्स ईस्ट (नोन-कोविड) अस्पताल

सभी मल्टि-डिसिप्लिनरी मेडीकल और सर्जिकल सेवायें उपलब्ध



अपॉइन्टमेंट : +91-79-4805 1008 | +91-98250 66661

मरीज़ की सुरक्षा के लिए विशेष प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20th of every month

Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 26th to 30th of every month under
Postal Registration No. **GAMC-1730/2019-2021** issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2021
Licence to Post Without Prepayment No. **PMG/HQ/088/2019-21** valid upto 31st December, 2021

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2772 2771-75

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है ।
इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. लि. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ऑफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेंट,
सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद - 380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-4805 2823



सिम्स अस्पताल, अहमदाबाद
फिर से अमेरिका की ९० साल से स्थापित

US NEWSWEEK MAGAZINE (2021)

(पहले २०२० में) भारत एवं दुनिया की सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से
एक में स्थान दिया गया है ।



CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया ।